खगोलीय पिंड- नक्षत्र मण्डल, ध्रुव तारा, ग्रह एवं उपग्रह, ग्रहों की परिक्रमण एवं घूर्णन गति

खगोलीय पिंड-सूर्य, चंद्रमा तथा वे सभी वस्तुएं जो रात के समय आसमान में चमकते हैं, खगोलीय पिंड कहलाते हैं। कुछ खगोलीय पिंड बड़े आकार वाले तथा गर्म होते हैं। ये गैसों से बने होते हैं। इनके पास अपनी ऊष्मा तथा प्रकाश होता है, जिसे वे बहुत बड़ी मात्रा में उत्सर्जित करते हैं। इन खगोलीय पिण्डों को तारा कहते हैं। तारे टिमटिमाते हैं। सूर्य भी एक तारा है।

नक्षत्र मण्डल:- रात्रि में आसमान की ओर देखते समय हम तारों की विभिन्न समूहों द्वारा बनाई गई विविध आकृतियों को देख सकते हैं। ये नक्षत्र मंडल कहलाते हैं। उदाहरण- बिग बियर, स्माल बियर या सप्त ऋषि (सात तारों का समूह) आदि।

ध्रुव तारा- उत्तर दिशा के तारे को ध्रुव तारा कहा जाता है। यह उत्तर दिशा को बताता है। यह पृथ्वी के उत्तरी ध्रुव पर स्थित है इसलिए यह आसमान में हमेशा एक ही स्थान पर रहता है।

ग्रह- कुछ खगोलीय पिण्डों में अपना प्रकाश एवं ऊष्मा नहीं होती है। वे तारों के प्रकाश से प्रकाशित होते हैं, ऐसे पिंड ग्रह कहलाते हैं।
पृथ्वी- पृथ्वी जिस पर हम रहते हैं, एक ग्रह है। यह अपना संपूर्ण प्रकाश एवं सूर्य से प्राप्त करती है, जो पृथ्वी के सबसे नजदीक का तारा है। पृथ्वी को बहुत

अधिक दूरी से, जैसे चंद्रमा से देखने पर, यह चमकती हुई प्रतीत होगी।

छल्ले वाले ग्रह- बृहस्पति, शनि, यूरेनस के चारों ओर छल्ले हैं। ये छल्ले विभिन्न पदार्थों के असंख्य छोटे-छोटे पिण्डों से बनी पट्टियाँ हैं। पृथ्वी से इन छल्लों को शक्तिशाली दूरबीन की सहायता से देखा जा सकता है।

चन्द्रमा- आसमान में दिखने वाला चंद्रमा एक उपग्रह है। यह हमारी पृथ्वी का सहचर (साथ रहने वाला) है तथा इसके चारों ओर चक्कर लगाता है। हमारी पृथ्वी के समान सात अन्य ग्रह है जो सूर्य से प्रकाश तथा ऊष्मा प्राप्त करते हैं। उनमें से कुछ के पास अपने चंद्रमा भी हैं।

आंतरिक ग्रह- आंतरिक ग्रह सूर्य के बहुत नजदीक है। यह चट्टानों से बने हैं: बुध, शुक्र, पृथ्वी, मंगल।
बाह्य ग्रह- बाह्य ग्रह सूर्य से बहुत दूर हैं तथा यह बहुत बड़े आकार के हैं। ये गैस और तरल पदार्थों से बने हैं: बृहस्पति, शनि, यूरेनस, नेप्च्यून।

ग्रहों का परिक्रमण एवं घूर्णन काल-

बुध ग्रह- बुध सूर्य के चारों ओर एक परिक्रमण- 88 दिन, अपने अक्ष पर घूर्णन- 59 दिन।

शुक्र ग्रह- शुक्र सूर्य के चारों ओर एक परिक्रमण- 255 दिन, अपने अक्ष पर घूर्णन- 243 दिन।

पृथ्वी- पृथ्वी सूर्य के चारों ओर एक परिक्रमा- 365 दिन, अपने अक्ष पर घूर्णन- 1 दिन, चंद्रमा की संख्या- एक।

मंगल ग्रह- मंगल सूर्य के चारों ओर एक परिक्रमा- 687 दिन, अपने अक्ष पर घूर्णन- 1 दिन, चंद्रमा की संख्या- दो।

बृहस्पति ग्रह- बृहस्पति सूर्य के चारों ओर एक परिक्रमा- 11 साल 11 महीने, अपने अक्ष पर घूर्णन- 9 घंटे 56 मिनट।

शनि ग्रह- शनि सूर्य के चारों ओर एक परिक्रमण- 29 साल 5 महीने, अपने अक्ष पर घूर्णन- 10 घंटे 40 मिनट।

अरुण ग्रह:- अरुण को अंग्रेजी में यूरेनस कहते हैं। यह सूर्य के चारों ओर एक परिक्रमण- 84 साल, अपने अक्ष पर घूर्णन- 17 घंटे, 14 मिनट।

वरुण ग्रह- वरुण को अंग्रेजी में नेप्च्यून कहते हैं। यह सूर्य के चारों एक परिक्रमण- 164 वर्ष, अपने अक्ष पर घूर्णन- 16 घंटे 7 मिनट।

टीप -कुबेर (प्लूटो) इसे ग्रह की श्रेणी से हटा दिया गया है।

RF competition

INFOSRF